बृहन्मुंबई महानगरपालिका
सार्वजनिक आरोग्य खाते

चलो ! हम सब मिलकर खसरे को रोकें

खसरा

खसरा यह विषाणु से होने वाली अत्यधिक संक्रामक बीमारी है.
खसरा ५ साल से कम की आयु के बच्चों में टीके द्वारा रोके जाने वाली बीमारियों में से एक है.
खसरा खांसते और छींकते हुए निकलने वाली बूंदों से दूसरो में फैलता है.
निकट संपर्क में से ९०% लोगों को संक्रमण हो सकता है, यह इतनी संक्रामक बीमारी है.

खसरे के लक्षण

तेज बुखार

शरीर पर दाने

खांसी

बहती नाक

आँखों से पानी और आंखें लाल होना

खसरे के लक्षण दिखने पर तुरंत नजदीकी म.न.पा. स्वास्थ्य केंद्र या दवाखाना या अस्पताल से संपर्क करें.

खसरे से होने वाली गंभीर समस्याएं

बच्चों को खसरा होने पर स्वास्थ्य से जुड़ी गंभीर समस्याए भी पैदा हो सकती है जैसे की, न्युमोनिया, दस्त, कान का संक्रमण, आंख का संक्रमण, दिमाग की सूजन और इससे मृत्यु भी हो सकती है.

न्युमोनिया

दस्त

कान का संक्रमण

आंख का संक्रमण

दिमाग की सूजन

खसरे को रोका जा सकता है

बच्चे को खसरे का पहला टीका ९ महीने की आयु और दूसरा टीका १६ महीने की आयु पूरी होने पर तुरंत दे.

अपने बच्चे को खसरे के २ टीके और विटामिन 'ए' की पूरक मात्रा मिली हो यह सुनिश्चत करें.

यदि किसी कारणवश टीका छूट जाए तो ५ साल की आयु तक टीकाकरण किया जा सकता है.

खसरे का संक्रमण कैसे रोके ?

खसरे से संक्रमित मरीजों को घर पर रहना चाहिए, संक्रमित बच्चों को आंगनवाड़ी / स्कूल न भेजे ताकि दूसरे बच्चो में संक्रमण को फैलने से रोका जा सके.

अच्छी व्यक्तिगत स्वच्छता बनाए रखें, साथ ही खांसते और छींकते वक्त रुमाल का इस्तेमाल करें.

खसरे के लिए टीकाकरण सबसे अधिक प्रभावी प्रतिबंधात्मक उपाय है. इसीलिए सही आयु में बच्चों का टीकाकरण होना जरूरी है. लसीकरण से वंचित बच्चों में खसरे का अधिक संक्रमण देखा गया है. खसरे का टीका देकर अपने बच्चे का संरक्षण करें.

खसरे से संक्रमित बच्चों में आगे दिए गए खतरे के संकेत नजर आने पर तुरंत म. न. पा. स्वास्थ्य केंद्र/ दवाखाना / अस्पताल से संपर्क करें.

तेज बुखार

सांस तेज होना

सांस लेते समय छाती अंदर खींची हुई

सुस्ती या कोई हरकत न करना

कभी-कभी मिर्गी आना

खसरा टीकाकरण

- खसरे से संपूर्ण सुरक्षा के लिए हर बच्चे को खसरे के २ टीके मिलना बहुत जरूरी है. पहला टीका ९ महीने की आयु और दूसरा टीका १६ महीने की आयु पूरी होने पर तुरंत दे.

  यदि किसी कारणवश टीका छूट जाए तो ५ साल की आयु तक टीकाकरण किया जा सकता है.

- वर्तमान स्थिति में मुंबई में खसरे के प्रकोप को देखते हुए, बच्चों को खसरे का अतिरिक्त टीका ९ महीने से ५ वर्ष की आयु तक दिया जा रहा है.
- उच्च-जोखिम वाली जगहों में विशेष टीका ६ से ९ महीने की आयु वर्ग के लिए दिया जा रहा है. (खसरे के मरीजों की संख्या १०% से अधिक होने वाली जगहों में ९ महीने से कम आयु के बच्चों को अतिरिक्त टीका दिया जा रहा है).
- खसरे का अतिरिक्त टीका पिछले किये गए टीकाकरण के ४ हफ्ते के बाद दिया जा सकता है.
- अपने बच्चे को खसरे के २ टीके और विटामिन 'ए' की पूरक मात्रा मिली हो यह सुनिश्चित करें.

खसरे को हराएंगे, टीकाकरण जरूर कराएंगे

@mybmchealth mybmchealth Mybmcphd